

## पीएम मोदी बोले- RJD ने कांग्रेस की कनपटी पर कट्टा रख CM पद का एलान कराया;सिख दंगे पर भी बोले

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को बिहार आए तो महागठबंधन की उठापटक पर बड़ी बात कह दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की कनपटी पर कट्टा रखकर राष्ट्रीय जनता दल ने तेजस्वी यादव का नाम बुलवा लिया।बिहार विधानसभा चुनाव में पहले चरण के मतदान से चार दिन पहले आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महागठबंधन के अंदर चल रही खींचतान पर बड़ा बयान दे दिया है। उन्होंने पहले राजद और कांग्रेस को देश के मुद्दे पर घेरा और फिर बिहार चुनाव में खींचतान तक लेकर आए। पीएम मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में देश की सेना की इतनी बड़ी

सफलता कांग्रेस और राजद को पसंद नहीं आई। धमाके पाकिस्तान में हो रहे थे और नींद कांग्रेस के शाही परिवार की उड़ी हुई थी। आज तक कांग्रेस और राजद के नामदार ऑपरेशन सिंदूर के सदमे से बाहर नहीं निकल पाए। आज विकसित बिहार के संकल्प के साथ पूरा एनडीए एकजुट होकर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा- कांग्रेस और राजद के अंदर घमासन मचा हुआ है। अंदर की बात यह है कि नामांकन वापस लेने के एक दिन पहले बंद कमरे में गुंडागर्दी का खेल खेला गया। कांग्रेस कभी नहीं चाहती थी कि सीएम पद पर राजद के उम्मीदवार का नाम तय हो। लेकिन, राजद ने कांग्रेस की कनपटी पर कट्टा रखकर सीएम पद चोरी कर लिया। फिर जबरन सीएम पद की घोषणा करवाई गई। पीएम का सवाल- राजद वालों ने कांग्रेस से कुछ भी पूछा?– पीएम मोदी ने आगे कहा- राजद और कांग्रेस में झगड़ा भयंकर बढ़ गया। न घोषणा पत्र में कांग्रेस की सुनी गई और प्रचार तक में पृच्छा गया। राजद वालों ने कांग्रेस की कुछ भी नहीं सुनी। चुनाव के बाद यह लोग एक-दूसरे का सिर फोड़ने लगेंगे। इसलिए हमेशा याद रखिए ऐसे लोग बिहार का भला कभी नहीं कर सकते हैं। एक तरफ सुशासन है। वहीं दूसरी तरफ जंगलराज का कुशासन। जंगलराज ने बिहार को खोखला



कर दिया। कट्टा, कटुता, क्रूरता, कुशासन और करप्शन ही जंगलराज की पहचान है। बेटियों से छेड़खानी, व्यापारियों से लूटपाट समेत सबकुछ राजद वाले मौका मिलते ही करने लगते हैं।2005 के पहले डॉक्टरों की हालत बताई, सिखों के लिए कांग्रेस पर निशाना- पीएम मोदी ने कहा कि नवंबर 2004 में तरारी ब्लॉक एक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर साहब बच्चों को पोलियो की ड्रॉप पिलवा रहे थे। जब वह रात को घर के लिए निकले तो रास्ते में हथियारबंद लोगों ने उनका अपहरण कर लिया। जंगलराज के दौरान ऐसे ही 37 हजार लोगों का अपहरण हुआ था। दूसरे के जीवन बचाने वालों डॉक्टरों को अपना जीवन बचाने के लिए बॉडीगार्ड लेकर चलना पड़ता था। सीएम नीतीश कुमार

और एनडीए सरकार ने बहुत कोशिश करके उस मुश्किल दौर से बिहार को बाहर निकाला है। राजद ने तुष्टिकरण की राजनीति की। बिहार में जंगलराज लाया। वहीं, कांग्रेस की पहचान सिखों के कत्लेआम से है। कांग्रेस के लोगों ने सिखों को नरसंहार किया था। आज भी कांग्रेस नरसंहार के आरोपियों को पूरे सम्मान के साथ अपनी पार्टी में आगे बढ़ा रही है। राजद और कांग्रेस को अपने किए गए कृत्यों का पछतावा नहीं है। राजद और कांग्रेस बिहार की पहचान खत्म करने में लगी हुई है।पीएम बोले- राजद-कांग्रेस वालों से सावधान रहना- पीएम मोदी ने कहा कि राजद और कांग्रेस वालों के इरादे बेहद ही खतरनाक हैं। इसलिए आपको इनसे सावधान रहना है। यह लोग सिफ

जंगलराज की पाठशाला में पढ़कर निकले हैं। इनके कारण उद्योग बंद हो गए। फैक्ट्रियों में ताले गए गए। इनका रिकॉर्ड ही निवेशकों को भगाने का है। जब निवेशकों को लालटेन और लाल झंडा दिखेगा तो क्या वह अपना पैसा लगाएगा क्या? निवेशक सिर्फ एनडीए सरकार ही ला सकती है। एनडीए सरकार विकास और विरासत दोनों को महत्व देते हुए आगे बढ़ रही है। हमारी सरकार बाबू वीर कुंवर सिंह की जन्मस्थली का कायाकल्प करने जा रही है। जिन लोगों ने अपना जीवन राष्ट्रसेवा में लगा दिया, उसे कांग्रेस और राजद वालों ने कभी सम्मान नहीं दिया। कांग्रेस ने हमेशा बाबा साहेब का अपमान किया। बाबू जगजीवन राम और सीताराम केसरी को भी कांग्रेस ने बेइज्जत किया।

## अब मेड इन चाइना नहीं, मेड इन बिहार चलेगा, बेगूसराय में बोले राहुल गांधी

%अब मेड इन चाइना नहीं, मेड इन बिहार चलेगा%, बेगूसराय में बोले राहुल गांधीबिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बेगूसराय में एक बड़ी चुनावी जनसभा को संबोधित किया। यह जनसभा सदर विधानसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी अमिताभ भूषण के समर्थन में आयोजित की गई थी। सभा के दौरान राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि हम बिहार में ऐसे विश्वविद्यालय बनाएंगे जहां दुनिया भर के छात्र पढ़ने आएंगे। नालंदा विश्वविद्यालय को फिर से जीवंत किया जाएगा। अब मेड इन चाइना नहीं, मेड इन बिहार चलेगा। प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी ने कहा, जिस दिन जनता को समझ में आ जाएगा कि प्रधानमंत्री मोदी और अडानी पार्टनर हैं, उस दिन खेल खत्म हो जाएगा। राहुल गांधी ने आगे कहा कि एसआईआर (स्ट्रुक्) बिहार में जितने वोट काटे गए, वे सभी महागठबंधन के वोट थे। इस जनसभा में राहुल गांधी के साथ वीआईपी पार्टी के सुप्रीमो मुकेश सहनी, आईआईपी पार्टी के नेता आई.पी. गुप्ता, वामदल, राजद और अन्य सहयोगी दलों के नेता भी मौजूद रहे। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी न केवल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से डरते हैं, बल्कि बड़े



उद्योगपतियों अंबानी और अडानी के रिमोट कंट्रोल से संचालित हो रहे हैं। राहुल गांधी ने यह आरोप बिहार के बेगूसराय जिले में आयोजित एक चुनावी जनसभा में लगाया। उन्होंने कहा, बड़ा सीना होना ताकत की निशानी नहीं है। महात्मा गांधी का शरीर दुबला-पतला था, लेकिन उन्होंने उस समय की सबसे बड़ी ताकत ब्रिटिश हुकूमत का मुकाबला किया था। उन्होंने आगे कहा, दूसरी ओर नरेंद्र मोदी हैं, जो 56 इंच के सीने की बात करते हैं, लेकिन जब ‘ऑपरेशन सिंदूर’ के दौरान ट्रंप ने फोन किया, तो उन्हें पैनिक अटैक आ गया। पाकिस्तान के साथ सैन्य कार्रवाई दो दिन में खत्म हो गई। मोदी सिर्फ ट्रंप से नहीं डरते, बल्कि अंबानी-अडानी के रिमोट कंट्रोल पर भी चलते हैं। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार के सभी बड़े फैसले जैसे जीएसटी और नोटबंदी छोटे कारोबारियों को खत्म करने और बड़े उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने के लिए किए गए थे। राहुल गांधी ने कहा, हमारी सोच अलग है। हम छोटे व्यापारों को

बढ़ावा देना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि आपके मोबाइल और टी-शर्ट से ‘मेड इन चाइना’ हटाकर ‘मेड इन बिहार’ लिखा जाए। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री पर व्यंग्य करते हुए कहा, मोदी जी वोट पाने के लिए कुछ भी कर सकते हैं। उन्हें कहे योग करो, तो वे कुछ आसन भी कर लेंगे। उन्होंने कहा कि अगर बिहार में ‘इंडिया गठबंधन’ को जनता का समर्थन मिला, तो वह ऐसी सरकार बनाएंगे जो हर वर्ग के लिए काम करेगी, किसी जाति विशेष के लिए नहीं। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री युवाओं को रील्स देखने की सलाह दे रहे हैं ताकि वे बेरोजगारी और वास्तविक मुद्दों पर सवाल न पूछें। बेगूसराय में कांग्रेस प्रत्याशी अमिताभ भूषण के समर्थन में आयोजित जनसभा में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि बिहार में ऐसे विश्वविद्यालय बनाए जाएंगे जहां दुनिया भर के लोग पढ़ने आएंगे और नालंदा विश्वविद्यालय को फिर से जीवंत किया जाएगा।

## संक्षिप्त समाचार

### बरेली में नेहा ने अपनाया हिंदू धर्म, मंदिर में प्रेमी के साथ की शादी; परिवार से जताया जान को खतरा

मुजफ्फरनगर की युवती ने बरेली में अपना धर्म परिवर्तन करने के बाद प्रेमी से शादी कर ली। उसका प्रेमी बहेड़ी का रहने वाला है। दोनों पिछले पांच साल के लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे थे। बरेली में पांच वर्ष तक सहमति संबंध (लिव-इन रिलेशन) में रहने के बाद मुजफ्फरनगर की नेहा अंसारी ने शनिवार को धर्म बदलकर अपने प्रेमी सुरजीत से शादी कर ली। युवती ने एक वीडियो भी जारी किया है। इसमें उसने अपने परिजनों से जान को खतरा बताया है। बहेड़ी थाना क्षेत्र के गांव हरपुर बहरूआ निवासी सुरजीत गौतम ने बताया कि वह काम के सिलसिले में मुजफ्फरनगर गया था। वहीं उसकी मुलाकात नेहा से हुई। दोनों में दोस्ती हो गई, जो जल्द ही प्रेम में बदल गई। दोनों ने शादी करने का फैसला कर लिया, लेकिन नेहा के परिवार वाले सख्त थे। वह शादी के लिए तैयार नहीं होते।प्रेमी युगल ने मंदिर में रचाई शादी नेहा ने प्यार के खातिर अपना परिवारवालों को छोड़ दिया। वह प्रेमी सुरजीत के पास पहुंच गई। इसके बाद दोनों उत्तराखंड के रुद्रपुर चले गए। यहां दोनों पिछले पांच वर्षों से साथ रह रहे थे। शनिवार को नेहा और सुरजीत ने बरेली के एक मंदिर में शादी कर ली। एक वीडियो में वह फेरे लेते दिख रहे हैं। नेहा ने बताया कि उसने हिंदू धर्म में वापसी कर ली है। अब उसका नाम नेहा कुमारी है। कहा कि उसकी मां किसी के साथ चली गई



डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में मेधावियों को स्वर्ण, रजत और कांस्य सहित कुल 21 पदक दिए गए। इस दौरान 309 उपाधियां सफल विधार्थियों को दी गईं।डॉ.राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय ( आरएमएलएनएलयू ) का चौथा दीक्षांत समारोह रविवार को आयोजित हुआ। इस मौके पर बीए-एलएलबी ऑनर्स, एलएलएम वन इयर,

पी जी डी सी एल , पीजीडीआईपीआर पाठ्यक्रमों के मेधावियों को स्वर्ण, रजत और कांस्य सहित कुल 21 पदक दिए गए। इस दौरान 309 उपाधियां सफल विधार्थियों को दी गईं। इस मौके पर मुख्य अतिथि के तौर पर सुप्रीम के जस्टिस सूर्यकांत की मौजूदगी में मेधावियों ने न्याय की राह पर चलने का संलल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उपाधियां अर्जित करने वाले

विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि देश की मजबूत न्याय व्यवस्था ही सुशासन का आधार है। एक ऐसी व्यवस्था जिसमें किसी के साथ भेदभाव न हो और सभी को उसकी योग्यता के अनुसार मौके मिले। ये सुशासन का आधार है और मजबूत न्याय व्यवस्था इसे संभव बनाती है।इस मौके पर कुलपति डॉ.अमरपाल सिंह ने विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के मौके पर पारंपरिक पदकों के साथ विशेष स्मृति पदक भी दिए गए। इनमें कराधान विधि (टैक्सेशन लॉ), आपराधिक विधि ( क्रिमिनल लॉ ), संवैधानिक विधि में सर्वोच्च अंक पाने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया। दर्शिका को तीन पदक, अभ्युदय को दो सवर्ण पदक – इस मौके पर दर्शिका पांडेय को तीन पदक मिलें। इसमें संवैधानिक विधि

में सर्वोच्च अंक पाने के लिए स्व. पद्मावती मोहनलाल जरीवाला स्वर्ण पदक, स्टूडेंट ऑफ द ईयर के लिए वीरेंद्र भाटिया स्वर्ण पदक और बीए एलएलबी में कांस्य पदक शामिल है। अभ्युदय प्रताप को दो स्वर्ण पदक मिले जिसमें बीए एलएलबी ( ऑनर्स ) में स्वर्ण पदक, केके लुथरा मेमोरियल स्वर्ण पदक शामिल है। समाज में कुछ बेहतर करने की इच्छा- दर्शिका- बीए एलएलबी ( ऑनर्स ) की टॉपर छात्रा दर्शिका पांडेय ने बताया वह जज बनकर देश की न्याय व्यवस्था में कुछ बेहतर करना चाहती है। दर्शिका ने अपनी सफलता का श्रेय पिता सुधीर कुमार पांडेय को दिया। दर्शिका ने बताया बचपन से उनके पिता ने ही उन्हें पढ़ाई के लिए प्रेरित किया। वहीं, मां नीलम ने मनोबल बढ़ाया। गुरुजनों का भी योगदान है। दर्शिका ने बताया कि उन्होंने शुरुआती पढ़ाई कुशीनगर से की है।



लखनऊ में आयोजित डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में मुख्य न्यायाधीश पद के नामित न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने अपने संबोधन में कहा कि कानूनी पेशे में सफलता इस बात पर निर्भर नहीं करती कि आप शुरुआत में कितना जानते हैं, बल्कि इस पर कि आप सीखने और जिज्ञासु बने रहने के कितने इच्छुक हैं। उन्होंने कहा कि स्नातक भले ही जल्द उनका भाषण भूल जाएं, लेकिन इसका सार याद रखें कि सीखना कभी बंद नहीं होना चाहिए।राम मनोहर लोहिया के

## सीखना बंद मत करो, छात्रों से जस्टिस सूर्यकांत बोले- बुद्धि का ठहराव ही सबसे बड़ा खतरा है

(सीजेआई) पद के नामित न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कानून के छात्रों से आग्रह किया कि वे हमेशा जिज्ञासु बने रहें, सीखना कभी न छोड़ें और बौद्धिक निश्चितता पर सवाल उठाना न भूलें। उन्होंने कहा कि यही वे गुण हैं जो किसी वकील को केवल जीवित रहने वाले से अलग, आगे बढ़ने वाला बनाते हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने अपने संबोधन में कहा कि कानूनी पेशे में सफलता इस बात पर निर्भर नहीं करती कि आप शुरुआत में कितना जानते हैं, बल्कि इस पर कि आप सीखने और जिज्ञासु बने रहने के कितने इच्छुक हैं। उन्होंने कहा कि स्नातक भले ही जल्द उनका भाषण भूल जाएं, लेकिन इसका सार याद रखें कि सीखना कभी बंद नहीं होना चाहिए।राम मनोहर लोहिया के

विचारों का किया उल्लेख उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का नाम राम मनोहर लोहिया जैसे व्यक्ति के नाम पर है, जिन्होंने बौद्धिक निश्चितता को सबसे खतरनाक आराम बताया था। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि लोहिया की विरासत हमें सिखाती है कि विकास के लिए साहस चाहिए। यह पूछने का साहस कि क्या चीजे वैसी होनी चाहिए जैसी हैं, या उन्हें बदलना चाहिए। वर्ष का उनका छठा दीक्षांत समारोह है जिसे वे संबोधित कर रहे हैं। उन्होंने अपने प्रारंभिक क्वालती दिनों का एक अनुभव साझा करते हुए कहा कि आत्मविश्वास के चलते उन्होंने एक साधारण संपत्ति विवाद का मुकदमा हार दिया था क्योंकि उन्होंने अपने तर्कों की दोबारा समीक्षा नहीं की।



संपादकीय Editorial

India's Daughters are Champions

Hail to the daughters of India! Wow, what a performance! What a display of fighting spirit and concentration! Their eyes were fixed on the target like Arjuna, and they created a new record in the 52-year history of women's ODI cricket! This isn't just a story of small milestones. This is one of the most beautiful, magnificent, and spirited victories in men's or women's cricket. India and we Indians had no such expectations. We never took women's cricket, or women players, seriously. Almost at the same time that the Indian women's team defeated the 7-time world champions and the undefeated Australian team (with a 15-match winning streak) to reach the World Cup final, four Indian daughters – Khushi, Ahana, Chandrika, and Anshika – achieved golden success in boxing at the Asian Youth Games. Jasmine and Meenakshi Hooda also won gold medals in their respective weight categories at the World Championships. How many Indians remember these golden achievements? Perhaps they don't even know about them! Nevertheless, the game played by the daughters of India in the Women's Cricket World Cup was truly amazing, unexpected, unprecedented, unimaginable, and incomparable! The Australian team had successfully chased down India's 330 runs in the group stage match. Therefore, no extra miracle was expected in the semi-final match, but Jemimah Rodrigues seemed like an angel who descended and performed an extraordinary feat. Jemimah had been dropped from the team for the match against England. Jemimah's form wasn't good either. Although she had scored more than 70 runs against Australia earlier. During the World Cup, she would often be seen sobbing in the dressing room or alone because she wasn't able to play good cricket for the country. In the semi-final, Australia had set a mountainous target of 338 runs. In response, when Team India's opening batters – Shafali Verma and Smriti Mandhana – were dismissed for relatively low scores, India's innings seemed to be faltering. In those circumstances, Jemimah Rodrigues, with an unbeaten 127 runs (134 balls, 14 fours), not only scored her first World Cup century but also, along with captain Harmanpreet Kaur (89 runs off 88 balls), reduced the daunting target to a manageable level with a 167-run (156 balls) third-wicket partnership. Jemimah then added 38 runs (34 balls) with Deepti Sharma, 46 runs (31 balls) with Richa Ghosh, and an unbeaten 31 runs (15 balls) with Amanjot Kaur, sealing what seemed like an improbable victory. This was the highest and most successful chase in World Cup history. Jemimah undoubtedly deserves to be named 'Player of the Match' for Team India; she delivered a magnificent innings when it mattered most, leading Team India to a 5-wicket victory with 9 balls remaining, securing their place in the World Cup final. Now, there is no apprehension, no challenge, no test, and no fear whatsoever regarding the final match. The South African team is in the World Cup final for the first time. We are not in any way underestimating their game and skill, but the Indian women's team has reached the final twice before, in 2005 and 2017. We have experienced that level of tension and pressure. Team India also defeated the Australian team in the semi-final of the 2017 World Cup. We have proven many times that the Australian team is not 'invincible'. They can be defeated on any given day with better play. Now, whether Team India wins or loses the final, the daughters of Team India are lionesses of cricket. They are truly world champions. However, our intuition tells us that given the enthusiasm of our daughters.

The US, China, and India... Impacting the Long-Term Trajectory of Relations

It seems that Trump is weighing economic and strategic aspects on separate scales, but in a broader context, they cannot be viewed in isolation. Often, they are complementary. Both India and the US must understand that a delay in the trade agreement will not only affect the interests of both countries but will also impact the long-term trajectory of bilateral relations. Trump's Asia Tour: Meeting with China, America's Promotion as 'G-2', Emphasis on India-US Trade Agreement. There was much anticipation surrounding Donald Trump's Asia tour. His meeting with Chinese President Xi Jinping was also closely watched. This was quite natural. Trump's Asia tour came at a time when his foreign policy and approach were being described as increasingly isolationist. Similarly, amidst all the uncertainties, his meeting with Jinping helped to dispel some of the clouds surrounding the trade war. Moreover, the US promoting this meeting as a 'G-2' summit speaks volumes. The G-2 group, comprising the two most powerful countries in the current global framework, the US and China, has been used informally, but the White House's official use of the term seems to be giving it formal recognition. Although no specific implications can yet be drawn from the Trump-Jinping meeting in South Korea, Trump's attitude towards it appears very enthusiastic. After meeting Jinping for the first time since 2019, Trump not only made some cuts to the tariffs imposed on China but also announced his intention to visit China. The American side is also claiming that after the talks between the two leaders, China has shown some signs of softening its strict policy regarding elements, but China has not said Trump's visit to Malaysia for also a subject of discussion. This US wanted to limit its Trump's hosting of the ASEAN for the organization, as its to 11 countries this year with In a period of considerable tariffs, it had become essential ASEAN economies to maintain largest buyer, the United States. reiterated that ASEAN would the US in the Indo-Pacific circumstances, it had also ASEAN countries to US. To understand this understand the original Formed in 1967, largely under American leadership, its initial aim was to counter communism. Over time, the ASEAN countries grew economically stronger. During this period, their economic ties with China increased. However, their strategic engagement with the US remained intact. While the ASEAN countries' fundamental strategy has been to focus primarily on economic activities and cooperation and to refrain from interfering in the affairs of any country, the growing rivalry between the US and China has increased the dilemma for ASEAN. This dilemma stems from the fact that some countries in the organization lean towards the US, while others lean towards China. Issues such as the South China Sea, developments in Myanmar, and the recent Cambodia-Thailand conflict have also, from time to time, brought these countries into conflict. In this context, Trump's visit also served as a means to build some consensus among them. During the visit, Trump brokered a formal ceasefire agreement between Thailand and Cambodia. He also emphasized the importance of ASEAN for the US, stating that it would remain central to the American strategy in Asia. After the ASEAN summit, Trump traveled to Japan and discussed several issues with the country's first female Prime Minister, a traditional US ally. During this visit, he also spoke about increasing cooperation with Japan to challenge Chinese dominance in the rare earth elements sector. It's no secret that China has established its dominance in the rare earth elements sector, particularly becoming synonymous with rare earth processing. Taking advantage of this situation, the Chinese Ministry of Commerce recently indicated its intention to arbitrarily set rules and regulations regarding the sale of rare earth elements. If China's intention succeeds, it will determine the fate of everything from the global clean energy transition to the supply chain for electric vehicles and many other crucial industries. To counter this, Trump encouraged Japan to take a leading role in the rare earth landscape. However, after his visit to Japan and subsequent meeting with Xi Jinping, there were indications that China would pursue a more conciliatory approach regarding rare earths. Given Trump's unpredictable claims and Beijing's calculated strategy, it would be premature to say anything definitive at this point. India must also carefully consider the signals emanating from Trump's visit and adapt itself to the changing global circumstances. It must intensify its efforts to reach an early agreement on a trade deal with the United States. While it's true that Trump's attitude has increased doubts about such an agreement, a way forward must be found. It seems that Trump is... Economic and strategic aspects are being weighed on separate scales, but in broader contexts, they cannot be viewed in isolation. Often, they are complementary. Both India and the United States must understand that delays in a trade agreement will not only affect the interests of both countries but will also impact the long-term trajectory of bilateral relations.



Election Manifestos Reduced to a Bundle of Populist Promises, Focusing on Distributing Freebies

During elections, people are interested in the manifestos of political parties, but winning elections based on them is difficult. Manifestos have now become a bundle of alluring promises that are impossible to fulfill. Many states have failed to fulfill their promises even after coming to conditions. Manifestos are not legally binding, so Now they are like distributing freebies, which question the parties about their ability to fulfill their Bundle of Populist Promises, Ignoring Financial Necessary. There is always curiosity about the during elections, but it is difficult to say that It is rarely seen that a party has won based on the reason for this is that manifestos have now become contain many attractive promises that are In recent times, it has been seen in many states that promises they made in their manifestos after coming the financial situation of the particular state was also been seen that political parties have fulfilled hearted manner or have hesitated after issuing a manifesto is not a legal obligation, fulfilling mandatory. As a result, manifestos now appear to be noted that freebies only hinder real the Grand Alliance and the National Democratic promises that are, overall, merely populist. Political promises in their manifestos to win over voters, but will be fulfilled. One reason for this is that the whether the state's financial situation can actually support these promises. The day the public starts asking these questions, election manifestos will begin to be prepared with greater seriousness. The public should compel political parties to contest elections based on real issues of public interest. Unfortunately, this doesn't happen because votes are still cast on the basis of caste, religion, region, or freebies. This is why qualified candidates are not selected, and establishing good governance does not become a priority for political parties. While there is a lot of mudslinging and accusations between opposing parties regarding the promises made in the manifestos, there is no meaningful debate on them, unlike in developed countries where such debates help in creating informed public opinion. It is no surprise that election manifestos are losing their significance in our country.





संपादक - नरेश राज शर्मा  
मो. 9027776991  
**RNI NO- UPBIL/2021/83001**  
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।  
ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है



## 100वें रामगंगा चौबारी मेले का जनप्रतिनिधियों और डीएम ने हवन पूजन के साथ किया शुभारंभ

लग गए झूले ,सज गई दुकानें , नए स्वरूप में दिखत रहे हैं गंगा के घाट

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। गंगा स्नान पर्व पर 100वें रामगंगा चौबारी मेले शुभारम्भ हवन पूजन के साथ जन जिलाधिकारी ने विधिवत अपने अनूठे अंदाज में में न सिर्फ भगवा छटा बल्कि मेले पर शताब्दी दिया। इस बार घाट नए मेले में सेकड़ो दुकानें सज मेला सौ वर्ष पूर्ण कर रहा की तैयारी की गई है। पूरे दुकानों की सजावट भी की गई है। इस मेले के स्वरूप देने की भी प्रकाश व सुरक्षा के भी हैं। मेला यूं तो बीते था। लेकिन मेले का को शाम को किया गया।

को लगभग छह बजे गंगा घाट पर हिंदू महासभा के पंकज पाठक की ओर से महा आरती की गई। बताते चलें कि दो हजार दीप घाट पर रोशन किए गए है। इस अवसर पर महापौर उमेश गौतम ,सांसद छत्रपाल गंगवार, जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल, सहित जिलाधिकारी अविनाश कुमार अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

## मां की मौत के बाद बौखलाए भांजे ने मामा का किया कत्ल , गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। देवरनियां क्षेत्र में बहन की मौत के बाद उसके शव को देखने जा रहे ग्रामीण की अपने भांजे से कहासुनी बहस हो गई। मामा ने गुस्से में आकर भांजे को डंडा मार दिया। इससे हंसिया से ताबड़तोड़ वार कर दी। इसके बाद आरोपी पुलिस ने आरोपी के दर्ज कर लिया है। देर रात लिया गया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के देवरनियां थाने के मोहल्ला कड़े राम ने पुलिस को बहन और बहनोई पीलीभीत ढाई माह से उनके यहां रहने लगे। भांजे सोमपाल ने शराब के नशे में धुत होकर 26 अक्तूबर को अपनी बाइक पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी थी। जिसे बुझाने के लिए उनकी बहन सुशीला देवी गई तो वह बुरी तरह झुलस गई थी। इलाज के लिए उसे बरेली के अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के दौरान शनिवार को उसने दम तोड़ दिया। रास्ते में भांजे से हुआ था विवाद उसके शव को उस प्लॉट में लाकर रख दिया गया जो कुछ दिन पहले बहन ने ही खरीदा था। मृतका के भाई कड़े राम और मोतीराम अपनी बहन के शव को देखने के लिए जा रहे थे। रास्ते में उनका भांजा सोमपाल मिल गया। मोतीराम ने उसे डांटते हुए कहा कि उसी की वजह से उनकी बहन की मौत हो गई। उन्होंने गुस्से में आकर उसके सिर पर एक डंडा मार दिया। उस वक्त सोमपाल के हाथ में हंसिया था। गुस्से में आकर उसने मामा पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। जिससे मोतीराम की मौके पर ही मौत हो गई। मोतीराम की हत्या कर भांजा सोमपाल वहां से भाग गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने सुशीला देवी और मोतीराम दोनों बहन-भाई के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए बरेली भिजवाया। कड़े राम की तहरीर पर आरोपी सोमपाल के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने देर रात आरोपी को पकड़ लिया। उससे पूछताछ की जा रही है। एसपी उत्तरी मुकेश चंद्र मिश्रा ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। दोनों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए बरेली भेजा गया है। आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

## तेरी वजह से मेरी बहन मरी..., सुनकर बौखलाया भांजा , मां की मौत के बाद मामा का किया कत्ल

बरेली के देवरनियां थाना क्षेत्र में शनिवार रात सनसनीखेज वारदात हुई। एक युवक ने मां की मौत के बाद अपने मामा की हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी भाग गया था। देर रात पुलिस ने उसे पकड़ लिया। बरेली के देवरनियां क्षेत्र में बहन की मौत के बाद उसके शव को देखने जा रहे ग्रामीण की अपने भांजे से कहासुनी बहस हो गई। मामा ने गुस्से में आकर भांजे को डंडा मार दिया। इससे



बौखलाए भांजे ने हंसिया से ताबड़तोड़ वार कर मामा की हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी भांजा भाग गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। देर रात आरोपी को पकड़ लिया गया। पुलिस ने मृतक और उसकी बहन के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। देवरनियां थाने के मोहल्ला शाहाबाद निवासी कड़े राम ने पुलिस को बताया कि उनकी बहन और बहनोई पीलीभीत से आकर करीब ढाई माह से उनके यहां रहने लगे। भांजे सोमपाल ने शराब के नशे में धुत होकर 26 अक्तूबर को अपनी बाइक पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी थी। जिसे बुझाने के लिए उनकी बहन सुशीला देवी गई तो वह बुरी तरह झुलस गई थी। इलाज के लिए उसे बरेली के अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के दौरान शनिवार को उसने दम तोड़ दिया। रास्ते में भांजे से हुआ था विवाद उसके शव को उस प्लॉट में लाकर रख दिया गया जो कुछ दिन पहले बहन ने ही खरीदा था। मृतका के भाई कड़े राम और मोतीराम अपनी बहन के शव को देखने के लिए जा रहे थे। रास्ते में उनका भांजा सोमपाल मिल गया। मोतीराम ने उसे डांटते हुए कहा कि उसी की वजह से उनकी बहन की मौत हो गई। उन्होंने गुस्से में आकर उसके सिर पर एक डंडा मार दिया। उस वक्त सोमपाल के हाथ में हंसिया था। गुस्से में आकर उसने मामा पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। जिससे मोतीराम की मौके पर ही मौत हो गई। मोतीराम की हत्या कर भांजा सोमपाल वहां से भाग गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने सुशीला देवी और मोतीराम दोनों बहन-भाई के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए बरेली भिजवाया। कड़े राम की तहरीर पर आरोपी सोमपाल के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने देर रात आरोपी को पकड़ लिया। उससे पूछताछ की जा रही है। एसपी उत्तरी मुकेश चंद्र मिश्रा ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। दोनों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए बरेली भेजा गया है। आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

## असली बेटा गायब , फर्जी बेटा बनाकर पा ली सरकारी नौकरी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। नगर निगम बरेली में फर्जी नियुक्ति का एक बड़ा मामला सामने आया है। मृतक सफाई कर्मचारी के नाम पर किसी और ने खुद को उनका पुत्र बताकर मृतक आश्रित कोटे से सरकारी नौकरी हासिल कर ली। फर्जी नियुक्ति के संबंध में शासन तक शिकायत पहुंची। शिकायत गए। शिकायत के बाद नगर विभाग में हड़कंप मच गया मजदूर संगठन ने शासन में उसमें एक व्यक्ति ने खुद कर्मचारी लालजी का पुत्र दस्तावेजों के सहारे सफाई नियुक्ति पा ली। आरोप है 17 जनवरी 1983 को हुई थी, जबकि उस व्यक्ति की नियुक्ति लगभग दस साल बाद कर दी गई जो नियमों के खिलाफ है। शिकायतकर्ता का कहना है कि असली पुत्र रहस्यमय तरीके से गायब है। इसलिए व्यक्ति ने उसकी जगह लेकर निगम अधिकारियों को गुमराह किया और सालों तक वेतन प्राप्त करता रहा। बाद में उसने अधिकारियों के फर्जी हस्ताक्षर बनवाकर खुद को कार्यवाहक लिपिक भी घोषित कर लिया। मामले की जांच की मांग करते हुए शिकायत प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और शासन स्तर तक भेजी गई है। आरोप है कि इस फर्जी नियुक्ति से नगर निगम को करीब एक करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय क्षति हुई है। विभाग में मचा हड़कंप, नगर आयुक्त ने बैठई जांच मामला खुलते ही और शिकायत सामने आने पर नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य ने संबंधित विभाग के अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी है। अपर नगर आयुक्त, नगर स्वास्थ्य अधिकारी समेत अन्य अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए हैं। फर्जी दस्तावेजों से बनी नौकरी, अधिकारी भी गुमराह शिकायत में बताया गया है कि वास्तविक रूप से फर्जी तरह से नौकरी लेने वाले व्यक्ति के माता पिता भी दोनों भी नगर निगम में कार्यरत थे। इसके बावजूद व्यक्ति ने फर्जी दस्तावेज बनवाकर खुद को दूसरे का पुत्र बताकर नौकरी पा ली। बताया गया है कि उसने बाद में अधिकारियों के फर्जी हस्ताक्षर कर खुद को कार्यवाहक लिपिक के रूप में भी कार्यरत दिखाया। इस मामले में संबंधित अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी है। जो शिकायत हुई है उसमें कितनी सच्चाई है इस संबंध में अधिकारियों को जांच करने के निर्देश दिए हैं। - संजीव कुमार मौर्य, नगर आयुक्त

## श्री हरि मंदिर बरेली में तुलसी विवाह बड़ी ही धूमधाम से संपन्न हुआ

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। देवउठनी एकादशी पर श्री हरि मंदिर बरेली में तुलसी विवाह बड़ी ही धूमधाम से महिला मण्डल की अगुवाई में मनाया गया। महिला मण्डल अध्यक्ष रेनु छाबड़ा वा उपाध्यक्ष कंचन अरोरा द्वारा दीप प्रवाजलित कर कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कार्तिक महीने के आखिरी 5 दिनों में तुलसी विवाह कराने का विशेष महत्व माना गया है तुलसी विवाह के दिन तुलसी के पौधे को दुल्हन की तरह सजाया जाता हैऔर फिर शुभ मुहूर्त में भगवान शालिग्राम के साथ उनका विवाह संपन्न किया जाता है तुलसी विवाह कराने से घर में सुख समृद्धि आती है और कन्यादान का पुण्य फल प्राप्त होता है। महिला मण्डल की सदस्यों द्वारा मंगल गीत गाए गए और माता तुलसी वा भगवान शालिग्राम का विवाह संपन्न कराया गया। सभी सदस्यों ने तुलसी माता का युगल जोड़ी सरकार के श्रीचरणों में भजनों वा सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से अपनी अपनी हाजरी दी। आज के दिन महिला मण्डल और अन्य भक्तजनों द्वारा अपने अपने घर से अच्छे अच्छे पकवान बना कर लाए गए,मंदिर समिति द्वारा भी सभी भक्तजनों के लिया प्रसाद की व्यवस्था की गई थी। पूज्य पंडित जी द्वारा शुभ मुहूर्त में तुलसी विवाह संपन्न कराया गया। महिला मण्डल अध्यक्ष रेनु छाबड़ा वा उपाध्यक्ष कंचन अरोरा ने सभी भक्तों का वा मंडल सदस्यों को तुलसी विवाह की बहुत बहुत बधाई दी। इस अवसर पर रेनु छाबड़ा,कंचन अरोड़ा,नीलम साहनी,नेह आनंद,नीलम लुनियाल,प्रवेश कोचर,निशा लखानी,अलका छाबड़ा,सीमा तनेजा,अनीता बजाज,रजनी लूथरा आदि सेवा में उपस्थित थी।

## बवाल के 25 आरोपियों की जमानत अर्जी हुई खारिज

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। मौलाना तौकीर रजा के उकसावे पर बवाल करने वालों को अब इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ रहे हैं। इन मामलों में गिरफ्तार कर जेल भेजे गए 25 उपद्रवियों की जमानत अर्जी को कोर्ट ने खारिज कर दिया है। कानपुर प्रकरण के विरोध में मौलाना तौकीर रजा के बुलावे पर जबरन इस्तामिया ग्राउंड जाने की कोशिश कर रही भीड़ ने 26 सितम्बर को जुमे की नमाज के बाद बवाल कर दिया था। उन्हें रोकने की कोशिश पर करीब दस स्थानों पर पुलिस पर पथराव और फायरिंग किया गया। पुलिस का वायरलेस सेट और एंटी राइट गन लूट ली गई। इस मामले में कोतवाली, बारादरी, प्रेमनगर, किला और कैंट थाने में दस मुकदमे दर्ज कराए गए थे, जिनमें अब तक 80 से ज्यादा उपद्रवियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। इन उपद्रवियों ने अब जमानत के लिए प्रयास शुरू किए हैं। इसके बारादरी में दर्ज कराए मुकदमे में अरबाज कुरैशी, फैसल, मोहसिन, अरशद, जैनुल, मोहम्मद आजम, मुस्तकीम, रिजवान, शमशाद अहमद, साकिब, मोबिन शाह, ताजिम, तौहीन और उम्मीद ने कोर्ट में जमानत लगाई थी, जिसे एडीजे पांच (गैंगस्टर एक्ट) की कोर्ट ने खारिज कर दिया है। कोतवाली के मुकदमे में दस की जमानत खारिज सीजीएम कोर्ट से किला निवासी हस्सान और जमानत अर्जी खारिज की गई है। इसके अलावा एडीजे पांच की अदालत से कोतवाली में दर्ज कराए गए मुकदमे में दस अन्य अभियुक्तों की जमानत अर्जी खारिज हुई है। इनमें सलमान, जुबैर, अफरोज, रिहान, अदनान, कोहिनूर, शाहिद अहमद, फरहान, अहमद रजा और हसन शामिल हैं।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए 9027776991 knslive@gmail.com

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

### संक्षिप्त समाचार

## ई-रिक्शा और ट्रैक्टर की टक्कर में दो की मौत ,तीन धायल

क्यूँ न लिखूँ सच / डिलारी / मुरादाबाद के थाना डिलारी इलाके में रविवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि पिता-पुत्री गंभीर रूप से घायल हो गए। यह दुर्घटना करनपुर रोड पर सुबह करीब 11-30 बजे हुई। डिलारी थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी पिपली अमरपुर गांव के पास ईंटों से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली और सामने से आ रही मिनी मेट्रो के बीच भीषण भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भयानक थी कि मिनी मेट्रो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने पानी से भरे गड्ढे में जा गिरी। हादसे की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोग अपने घरों से बाहर निकल आए और मौके पर अफरातफरी मच गई प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक मिनी मेट्रो में पाँच लोग सवार थे, टक्कर के बाद वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसके अंदर फंसे लोगों को निकालने में स्थानीय लोगों को कड़ी मशक़त करनी पड़ी। सूचना मिलते ही डिलारी थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से घायलों को बाहर निकाला गया और तत्काल डिलारी स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया गया इस दर्दनाक हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। डिलारी पुलिस ने दो मृतकों में से एक की पहचान की है। जबकि दूसरे मृतक की पहचान में डिलारी पुलिस जुटी हुई है। हालांकि, एक मृतका की पहचान भायपुर थाना ठाकुरद्वारा की निवासिनी ममता रानी (45 साल) पत्नी राजीव कुमार के रूप में हुई हैं। जो अपने घर भायपुर से अपने मायके रहटा माफ़ी जा रही थी। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है हादसे के बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक मौके का फरार हो गया। पुलिस टीम ने घटनास्थल से ट्रैक्टर-ट्रॉली को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है। फिलहाल, पुलिस मामले की बारीकी से जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि हादसे के पीछे तेज रफ्तार, लापरवाही या ओवरलोडिंग या ओरवटेंकिंग में से कौन-सा कारण प्रमुख रहा। थाना डिलारी प्रभारी ने बताया कि हादसा सुबह के समय हुआ, जब हाईवे पर दोनों वाहन आमने-सामने से गुजर रहे थे। मिनी मेट्रो में सवार पाँच लोगों में से दो की मौके पर ही मौत हो गई। बाकी घायलों को तत्काल अस्पताल भेजा गया है। ट्रैक्टर चालक फरार है, जिसकी पहचान की जा रही है। पहचान होते ही उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्र के ग्रामीणों की भारी भीड़ मौके पर जमा हो गई पुलिस ने बमुश्किल भीड़ को नियंत्रित किया और आवागमन सुचारू कराया। वही घटना पहुंची फायर स्टेशन ठाकुरद्वारा से फायर बिर्गंड की टीम के द्वारा गड्ढे के पानी सुखाया गया

### स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा बैठक

### डीएम ने आशाओं और कर्मचारियों पर कसा शिकंजा , कई की सेवाएं समाप्त

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और अनुशासन पर डीएम अविनाश सिंह ने कड़ा शिकंजा कसा। जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में आयुष्मान भारत आरोग्य योजना , टीकाकरण, जननी सुरक्षा और ई-कवच पंजीकरण के कई मामलों की बारीकी से समीक्षा की गई। डीएम अविनाश सिंह ने सभी सीएचओ की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए और इसके लिए सभी अधीक्षकों को सीएमओ के माध्यम से पत्र भेजने को कहा। वहीं, शहरी क्षेत्रों की स्वास्थ्य इकाइयों संतनगर, शेरअली गोटिया, कालीबाड़ी और जसोली में टीकाकरण की धीमी गति पर सुधार लाने के लिए भी कड़े कदम उठाने का आदेश दिया गया।





## अल्लामा इकबाल की उर्दू नस निगारी के विषय पर एक दिवसीय साहित्यिक सेमिनार का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच /मोहम्मद सलीम/
पीलीभीत – हिन्द सोसाइटी न्यूरिया, जिला पीलीभीत के तत्वावधान में और उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी के सहयोग से आज दिनांक 2 नवम्बर 2025 को एक दिवसीय साहित्यिक सेमिनार का आयोजन किया गया।
सेमिनार का विषय था- अल्लामा इकबाल के उर्दू मध्य-लेखन नसर निगति
इस कार्यक्रम का उद्देश्य उर्दू भाषा और साहित्य के विकास के साथ-साथ अल्लामा इकबाल के विचारों और साहित्यिक योगदान को नई पीढ़ी तक पहुँचाना था।
सेमिनार की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी के सचिव शौकत अली साहब ने की, जबकि संचालन के कार्य प्रसिद्ध लेखक मौलाना डॉ. मोहम्मद रईसुद्दीन नूरी ने बहुत ही सुंदर ढंग से निभाए।
मुख्य अतिथि के रूप में जाने-माने साहित्यकार जनाब फखरुद्दीन अजहरी बाकवी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत कुरआन-ए-पाक की तिलावत से हुई, जिसके बाद सभी अतिथियों का हार्दिक स्वागत किया गया।
हिन्द सोसाइटी के अध्यक्ष मौलाना मोहम्मद अखलाक कादरी ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा- अल्लामा इकबाल का गद्य उनके विचारों और दर्शन का दर्पण है,



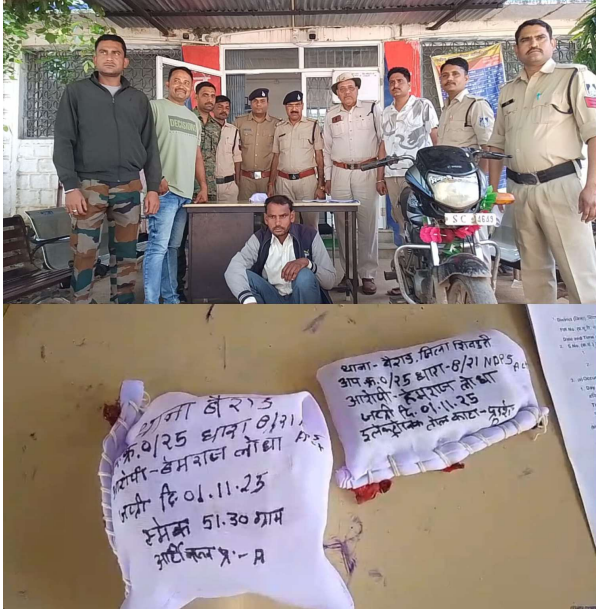
जो आज भी हमें सही दिशा में सोचने और आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।
सेमिनार में अलग-अलग विद्वानों ने विषयों पर अपने लेख प्रस्तुत किए जैसे इक़बाल के गद्य में दार्शनिक विचार गद्य लेखक के रूप में इक़बाल और इक़बाल के गद्य में खुदी और कर्म की भावना ।
विभिन्न विश्वीदद्यालयों के अध्यापकों और शोधकर्ताओं ने अपने विचारों से इकबाल के गड्य की वैचारिक, कलात्मक और आषाई विशेषताओं पर प्रकाश डाला।
प्रश्नोत्तर सत्र ने सेमिनार को और भी रोचक और ज्ञानवर्धक बना दिया।
छात्रों ने भी इकबाल के गदय पर अपने विचार व्यक्त किए, जिससे पूरा माहौल साहित्यिक और वैचारिक रंग में रंग गया।
अंल में सेमिनार संयोजक मौलाना इंतज़ार बरकाती ने कहा इकबाल का गद्य उनकी कविता से किसी भी प्रकार कम नहीं है।

## मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर सजी सांस्कृतिक संध्या, छात्र-छात्राओं की रंगारंग प्रस्तुतियों ने बांधा समां

क्यूँ न लिखूँ सच / शिवपुरी, मध्यप्रदेश
स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में मानस भवन शिवपुरी में एक भव्य सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया।
इस अवसर पर जिले के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति और प्रदेश गौरव से ओतप्रोत रंगारंग प्रस्तुतियां दीं, जिन्होंने पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नेहा यादव के मुख्य आतिथ्य में मां सरस्वती के चित्र उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक-1 शिवपुरी की बालिकाओं द्वारा प्रस्तुत मध्यप्रदेश गान खूबसूरती से अभिव्यक्त किया गया।
इसके बाद मंच पर एक से बढ़कर एक बालिकाओं ने तिल देखा ताड़ देखो पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया।
शासकीय ईंडिया से जोश भर दिया।
सकीय उमावि सदर बाजार की छात्राओं ने बड़ा नीग जगाई।
शासकीय उत्कृष्ट उमावि क्रमांक-1 की छात्राओं ने अब के बरस तुम्हें तेरा हिमालय आकाश छू लेे गीत से प्रदेश के गौरव का चित्र खींचा।
शासकीय म्हारो प्यारो मध्यप्रदेश को दर्शकों ने खूब सराहा।
संध्या को और भी संगीतमय प्रवीण श्रीवास्तव (कैर्रा) ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए।
वहीं शासकीय कन्या लोकगीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम में नई ऊर्जा भर दी।
इस अवसर पर जिले की मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री विजय राज, जिला शिक्षा श्री दफेदार सिंह सिकरवार, तथा सहायक नोडल अधिकारी (डीएटीसीसी) श्री सौरभ गोड सहित बड़ी संख्या में नागरिक, शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।
कार्यक्रम का संचालन गिरीश मिश्रा एवं हेमलता चौधरी ने किया।

## स्मैक सप्लाई चेन का भंडाफोड़, बैराड़ पुलिस ने 10.50 लाख रुपये का माल किया जप्त

क्यूँ न लिखूँ सच / शिवपुरी, ब्यूरो।
पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजय मुले तथा एसडीओपी आनंद राय के मार्गदर्शन में बैराड़ पुलिस ने अवैध



घेराबंदी कर आरोपी को पकड़।
पूछताछ में उसने अपना नाम हेमराज लोधा ( 46 वर्ष ) निवासी ग्राम सेमला, थाना बापचा, जिला बारां ( राजस्थान ) बताया।
तलाशी के दौरान उसकी पैंट की जेब से सफेद पन्नी में रखी 51.30 ग्राम स्मैक और इलेक्ट्रॉनिक तोल कांटा बरामद हुआ।
आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह यह स्मैक जितेंद्र प्रजापति निवासी बैराड़ को बेचने जा रहा था और पहले भी कई बार उसे सप्लाई कर चुका है।
आरोपी से 2800 रुपये प्रति ग्राम के हिसाब से स्मैक बेचने का सौदा तय हुआ था।
आरोपी के पास स्मैक बिक्री का कोई वैध लाइसेंस न होने पर पुलिस ने उसके खिलाफ धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है।
आरोपी से सप्लाई नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के बारे में पूछताछ जारी है।
बरामदगी विवरण- स्मैक 51.30 ग्राम, मूल्य लगभग 10,00,000 इलेक्ट्रॉनिक तोल कांटा हीरो डीलक्स मोटरसाइकिल ( RJ28 स्प4649 ), मूल्य 50,000 कुल जप्त माल की कीमत 10,50,000 कार्यवाही में शामिल टीम- निरीक्षक सुरेश शर्मा, उपनिरीक्षक धर्मेन्द्र शिवहरे, सहायक उपनिरीक्षक सोबरन सिंह सिसौदिया, सतेन्द्र भदौरिया, प्रधान आरक्षक सुरेन्द्र भगत, आरक्षक ज्ञानसिंह रावत, अतरसिंह रावत, राजेन्द्र प्रसाद, रविन्द्र धाकड़, मांगीलाल गुर्जर, लाल सिंह, मनोज धाकड़, लोकेन्द्र सिंह, चालक आरक्षक मनीष परिहार की सक्रिय भूमिका रही।

## कलेक्टर की अध्यक्षता में राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक संपन्न समय-सीमा में राजस्व प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश, फसल क्षति सर्वे एवं योजनाओं की प्रगति पर जोर

क्यूँ न लिखूँ सच /शिवपुरी, ब्यूरो।
कलेक्टर रविन्द्र कुमार चौधरी की अध्यक्षता में जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।
बैठक में अपर कलेक्टर दिनेश चंद्र शुक्ला, सभी एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।
बैठक में नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन सहित विभिन्न राजस्व प्रकरणों की समीक्षा की गई।
साथ ही भू-राजस्व वसूली, स्वामित्व योजना, लोक सेवा गारंटी प्रकरण, फार्मर रजिस्ट्री, जनसुनवाई, भू-अर्जन एवं न्यायालयों में लंबित मामलों की स्थिति पर भी विस्तृत चर्चा की गई।
कलेक्टर श्री चौधरी ने तीन एवं छह माह से अधिक समय से लंबित राजस्व प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए।
उन्होंने कहा कि प्रत्येक प्रकरण की नियमित मॉनिटरिंग अनिवार्य है।
साथ ही शासकीय भूमि से अवैध अतिक्रमण तत्काल हटाने और खाद वितरण में पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश दिए।
उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कोई विक्रेता किसानों से अधिक मूल्य वसूलता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।
उन्होंने नरवाई जलाने पर रोक और वैज्ञानिक प्रबंधन अपनाने की भी बात कही।
धान व मक्का फसलों के सर्वे के निर्देश कलेक्टर ने धान एवं मक्का की फसलों को हुई संभावित क्षति को देखते हुए संयुक्त सर्वेक्षण कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।
उन्होंने कहा कि राजस्व, कृषि, उद्यानिकी और पंचायत विभाग के संयुक्त दल द्वारा सर्वे किया जाए एवं विस्तृत रिपोर्ट जिला कार्यालय को भेजी जाए।
हितग्राही योजनाओं की समीक्षा बैठक में फार्मर रजिस्ट्री और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की प्रगति की समीक्षा की गई।
कलेक्टर ने ई-केवाईसी एवं आधार-बैंक लिंकिंग शीघ्र पूर्ण करने को कहा ताकि पात्र किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित हो सके।
चयनित आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को शीघ्र नियुक्ति पत्र कलेक्टर ने निर्देश दिए कि चयनित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं को तत्काल नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाएं।
उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया सीडीपीओ की सहायता से शीघ्रता से पूर्ण की जाए ताकि चयनित उम्मीदवार जल्द कार्यभार ग्रहण कर सकें।
नियुक्ति पत्र जनप्रतिनिधियों के माध्यम से या व्यक्तिगत रूप से दिए जा सकते हैं।
मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर निर्देश कलेक्टर श्री चौधरी ने निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।
उन्होंने कहा कि पुनरीक्षण कार्य का उद्देश्य मतदाता सूची को सटीक, अद्यतन और त्रुटिरहित बनाना है।
इसके लिए घर-घर जाकर गणना प्रपत्र (EFs) भरे जाएंगे।
उन्होंने बीएलओ को निर्देश दिए कि BLO एप में मतदाताओं की मैपिंग और फीडिंग का कार्य गंभीरता से करें ताकि कोई पात्र मतदाता वंचित न रहे और दोहराव से बचा जा सके

## मिशन शक्ति 5.0 में थाना साइबर/मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं-बालिकाओं को सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन पर जागरूक किया

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत /
पीलीभीत जिले के थाना करेली क्षेत्र में पुलिस अधीक्षक अभिषेक यादव के निर्देशन में साइबर सेल और मिशन शक्ति टीम ने मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के तहत विशेष जागरूकता कार्यक्रम चलाया।
महिलाओं व बालिकाओं को सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए प्रेरित किया गया – टीम ने गांवों, बाजारों और स्कूलों में जाकर साइबर क्राइम, महिला अपराधों और आत्मरक्षा के टिप्स दिए।
साथ ही सरकार की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला, वन स्टॉप सेंटर, शक्ति सदन और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ पर चर्चा की।
हेल्पलाइन नंबरों पर फोकस रह- महिला हेल्पलाइन 1090 व 181 ( महिला शिकायतें ), पुलिस इमरजेंसी 112, स्वास्थ्य सेवाएं 102 ( एम्बुलेंस ) व 108 ( एडवांसड लाइफ सपोर्ट ), चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 ( बच्चों की सुरक्षा ) और साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 ( ऑनलाइन फ्रॉड रिपोर्टिंग ) ।
टीम ने पर्चे बांटे, वीडियो दिखाए और संकल्प दिलाया कि संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कॉल करें।
यह अभियान 22 सितंबर 2025 से चल रहा, जो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शुरू किया गया – पीलीभीत के सभी 1663 थानों में मिशन शक्ति केंद्र सक्रिय हैं।

## बनबसा ने जीत फुटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत /
मझोला कस्बे के चीनी मिल रेलवे के पास ग्राउंड पर गुरुगोविंद सिंह का उद्घाटन मैच न्यूरिया बन बसा के बीच हुआ
शानदार प्रदर्शन किया जीरो मे मैच जीता
फैजान ने वनवसा की किये फुटबाल टूर्नामेंट का जिला पंचायत अध्यक्ष ने किया पीलीभीत संजीव प्रताप सिंह प्रदीप टोमो का परिचय जी के साथ रजनीश अग्रवाल तेजेन्द्र सिंह होशियार सिंह चंद्रशेखर शर्मा मौजूद रहे मैच को देखने के लिए लोगों में जबरदस्त का उत्साह रहा जिस कारण आज मझोला बाजार में सनाटा पड़ा रहा



## संक्षिप्त समाचार

नायब तहसीलदार पर फेंक दूंगी तेजाब...पीठासीन अधिकारी और पेशकार को भी लगा दूंगी आग , महिला ने इसलिए दी धमकी

यूपी के संत कबीर नगर जिले में महिला ने पक्ष में फैसला न देने पर नायब तहसीलदार पर तेजाब फेंकने की धमकी दी है।
राजस्व निरीक्षक की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।संतकबीरनगर कोतवाली खलीलाबाद पुलिस ने शनिवार की देर रात दुधारा क्षेत्र के बभनी बौरा की रहने वाली एक महिला के खिलाफ केस दर्ज किया।
महिला ने अपने पक्ष में फैसला न देने पर नायब तहसीलदार पर तेजाब फेंकने की धमकी दी थी।
राजस्व निरीक्षक की तहरीर पर यह मुकदमा दर्ज हुआ है।
जानकारी के अनुसार, नायब तहसीलदार द्वितीय खलीलाबाद प्रियंका त्रिपाठी के न्यायालय में दाखिल खारिज का एक मुकदमा चल रहा है।
रामलगन निवासी बभनी बौरा थाना दुधारा ने इसमें प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है।
आरोप है कि पिछले 27 अक्तूबर को रागलगन की पत्नी भानमती के जरिए पीठासीन अधिकारी को धमकी दी गई कि यदि पत्रावली में नायब तहसीलदार उसके खिलाफ आदेश करेंगी तो वह उन पर एसिड फेंक देगी।
पीठासीन अधिकारी और पेशकार को कोर्ट में बंद करके आग लगा देगी और स्वयं भी आग लगाकर जान दे देगी।
आदेश उसके पक्ष में किया जाए अन्यथा न किया जाए।
भानमती के जरिए दी गई धमकी पर नायब तहसीलदार ने अधिकारियों को अवगत कराया।
उसके बाद राजस्व निरीक्षक की तहरीर पर पुलिस ने केश दर्ज किया।
कोतवाल पंकज पांडेय ने बताया केस दर्ज किया गया है।

## एक करोड़ 80 लाख की लागत से बनी गुणवत्ता विहीन एवं मानक के विपरीत बनी, घटिया सड़क निर्माण होते ही ध्वस्त शिकायत के बाद भी नहीं हुई कठोर कार्रवाई

क्यूँ न लिखूँ सच / ताज मलिक /
अमरोहा / उत्तर प्रदेश में भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति लागू की गई है जिसमें मेरे द्वारा एक शिकायत संपूर्ण समाधान दिवस दिनांक 8 सितंबर 2025 को की गई थी।
उक्त सड़क का निर्माण लोक निर्माण विभाग द्वारा कराया गया था परंतु लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता को ही उक्त सड़क के मानक के विपरीत एवं गुणवत्ता विहीन सड़क की जांच सौंप दी गई जिससे उक्त जांच प्रणाली निष्पक्ष एवं ईमानदारी से होना संदिग्ध हो गई, जिसमें जांच अधिकारी द्वारा अपने पत्रांक 1895 सम्पूर्ण समाधान दिवस दिनांक 17/09/2025 द्वारा अवगत कराया गया है कि उक्त सड़क का निर्माण संतोषजनक है जबकि उक्त सड़क जगह जगह ध्वस्त हो गई है।
संबंधित दोषी अधिकारियों द्वारा ही उक्त सड़क की जांच करा दी गई है जोकि अनुचित है,उसी विभाग के वरिष्ठ अधिकारी से पुनः जांच सौंपी तो उस अधीक्षण अभियंता मुरादाबाद द्वारा अपने विभागीय अधिकारियों एवं उक्त घटिया निर्माण के ठेकेदार का बचाव कर, भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ाकर उक्त सड़क में दोषियों को बचाने का काम कर रहे हैं।
उक्त प्रकरण में अधीक्षण अभियंता मुरादाबाद द्वारा उक्त प्रकरण की स्वयं स्थलीय जांच एवं निरीक्षण किया जाना चाहिए था अथवा उपरोक्त प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन कर पुनः जांच अन्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से कराए जाने हेतु जिलाधिकारी अमरोहा से अनुरोध किया जाना चाहिए था परंतु ऐसा नहीं किया गया और जनता की मेहनत की कमाई के एक करोड़ से 80 लाख रुपए की नव निर्मित सड़क ध्वस्त हो गई जिसे दिनांक 31 अक्टूबर 2025 की मध्य रात्रि लोक निर्माण विभाग के द्वारा उक्त नवनिर्मित एक करोड़ 80 लख रुपए की लागत से बनी सड़क की मरम्मत कराई गई है जो कि अपने आप में एक प्रश्न उत्पन्न करता है कि यदि जांच रिपोर्ट में सड़क सही है तो रात के 11ः30 बजे लोक निर्माण विभाग के कर्मियों द्वारा उक्त ध्वस्त सड़क की मरम्मत क्यों की जा रही थी?
पूर्व सभासद संदीप गुप्ता ने बताया उक्त सड़क की कार्यदायी संस्था से अन्यत्र किसी अन्य निर्माणी संस्था से उच्च स्तरीय जांच कराई जाए तदोपरांत दोषियों के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई भी अमल में लाई जाए

## 01 अभियुक्त नाजायज चाकू के साथ गिरफ्तार अभियोग पंजीकृत

क्यूँ न लिखूँ सच / शैलेन्द्र कुमार पांडेय /
पुलिस अधीक्षक बहराइच महोदय के द्वारा अपराध व अपराधियों पर अंकुश लगाने हेतु व वांछित अभियुक्त गिरफ्तारी हेतु अपर पुलिस अधीक्षक नगर बहराइच व क्षेत्राधिकारी पयागपुर जनपद बहराइच के निर्देशन मे शांति व्यवस्था को कायम रखने के दृष्टिगत प्रभारी निरीक्षक थाना रिसिया जनपद बहराइच के कुशल निर्देशन में 30नि0 हेमन्त यादव मय हमराह के क्षेत्र में भ्रमणशील थे दौरान क्षेत्रभ्रमण मौलनागांव मोड के पास चेकिंग के दौरान एक व्यक्ति नजायज चाकू लिये जाते हुए पकडा गया जिसको कारण गिरफ्तारी बताते हुए जुर्म धारा 4/25 आर्म्स एक्ट के तहत हिरासत पुलिस लिया गया तथा बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 295/25 धारा 4/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत किया गया ।
गिरफ्तारीशुदा अभियुक्त को विधिक कार्यवाही हेतु संबंधित माननीय न्यायालय के समक्ष पेश करने हेतु रवाना किया गया ।



फुटबाल टूर्नामेंट कालोनी ओर दोनो टीमों ने बनवसा ने चार साहिल ओर तरफ से गोल उद्घाटन माननीय अजय मौर्य जी जि ल ाध्य क्षा शर्मा ने दोनो करवाया मौर्य भटनागर रंजन



देनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच  
को जिला एवं तहसील स्तर पर  
ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन  
प्रतिनिधि चाहिए  
**9027776991**  
knlslive@gmail.com





# Follow These 5 Tips for Healthy Communication with Your Children, and Your Relationship Will Become Even Stronger

Strong communication with children is essential for their self-confidence and emotional development. Parents should keep some tips in mind when talking to their children. These tips will help children to talk openly and build a healthy children. Healthy communication with children is carefully to what children say is crucial for healthy openly with their parents. But strong communication self-confidence and emotional development. So, if you child, you should follow these 5 tips. Practice Active When your child is saying something, give them your contact, and don't interrupt them. Try to understand saying is important to you. Understand Emotions - anger, or fear, acknowledge their feelings. Sentences you," help the child understand and express their Clear and Simple Language - Talk in simple words instructions in clear and simple words. Use positive speak softly" instead of "Don't make noise in the room" conducted in anger never yield positive results. When of shouting or scolding, calmly express your point of learn communication skills from you. Spend quality without any distractions. Spend this time doing During this time, ask about their hobbies and thoughts and listen attentively. This builds mutual trust. Healthy communication is an art that takes time and patience. Start with small conversations and gradually incorporate these tips into your routine. When your child feels heard and that their thoughts matter, they will open up and develop a healthy relationship with you.



relationship. Let's learn how to have healthy communication with important; it is essential for children's self-confidence. Listening communication. As children grow older, they tend to talk less with children is extremely important. It is crucial for a child's also want to have healthy and strong communication with your Listening - Listening is the most important part of communication. full attention. Stay away from your phone or TV, make eye their feelings. This will make the child feel that what they are Don't ignore your children's emotions. Whether it's happiness, like, "You seem upset about this," or "It seems like this is scary emotions. This helps them become emotionally intelligent. Use according to their age. Instead of giving long lectures, give language instead of negative language, for example, saying "Please can be more effective. Control Your Anger - Conversations you feel upset, take a deep breath and pause for a while. Instead view. Remember, your behavior is a model for your child. They time together – dedicate some time each day to be with your child activities they enjoy – playing, reading stories, or simply talking.

# Are you a victim of 'pocketing' in your relationship? Identify it with these 5 signs.

Love and trust are most important in a relationship, but have you ever felt like your partner is hiding you from the world? This is called 'pocketing' in today's dating trends. It means when your partner keeps you in their 'pocket,' that is, away from their friends, family, and social circle. If you have doubts, you can identify it with these 5 signs. Everyone keeps secrets in a relationship. In pocketing, the relationship itself inside. Pocketing is the behavior when a person in private, but as soon as it comes to introducing due to fear, shame, or avoiding commitment. It that indicate you are a victim of 'pocketing': Never of pocketing. Even if you both have been dating to introduce you to their closest friends or family In a healthy relationship, partners make each If your partner is very active on social media, but doesn't share any posts or pictures related to your posts so that others don't find out about your you both are in private, as soon as you are in a suddenly changes. They become distant towards you're just their "friend." Spontaneous plans – there's little chance of running into someone they night. They never invite you to their social events, relationship is just a secret. Avoiding future talk in together, marriage, or long-term plans), your partner changes the subject or gives vague answers. They shy away from building a real, public future with you, as pocketing is often linked to a fear of commitment. What can you do now? If you're seeing these signs in your relationship, the first step is to calmly talk to your partner. Let them know how their behavior is making you feel. Ask honest questions: Ask them why they're hiding you from the world. Clarify your needs: Tell them what level of public acknowledgment you need in the relationship. Remember, a true relationship is meant to be celebrated, not hidden. If your partner continues to make excuses and isn't willing to change, it's time to consider whether this relationship is truly right for you.



becomes a secret. Such a relationship breaks you from the deliberately hides their relationship. They show affection to you you to their close ones, they start making excuses. This can be can make you feel lonely, insecure, and unimportant. 5 signs introducing you to friends and family: This is the biggest sign for several months or years, if your partner repeatedly refuses members, or makes a new excuse every time, then be careful. other a part of their world. 'You' are missing from social media: constantly posting pictures of their life, vacations, or friends, you, then this is a red flag. They even avoid commenting on relationship. Different behavior in public: No matter how close public place or where people they know might be, their behavior you, avoiding holding hands or showing affection, acting as if a partner who's pocketing you will always choose places where know. They make sudden plans with you or only meet late at birthday parties, or family dinners. You'll feel like your – when you bring up the future of the relationship (like moving

# Guava will protect you from heart diseases; learn how it is beneficial in controlling cholesterol, blood pressure, and sugar

Do you know how beneficial guava is for your heart? It is rich in antioxidants, which are very helpful in protecting against heart diseases (Guava for Heart Health). In addition, it offers many other benefits. Therefore, eating guava daily can be very beneficial for your heart health. Guava is very beneficial for health; it prevents plaque buildup in the arteries. Guava is also rich in antioxidants. Guava is its properties are Vitamin C, fiber, potassium, is extremely beneficial for Benefits for Heart). Let's find strengthen your heart health. soluble fiber present in guava of bad cholesterol in the the absorption of cholesterol which reduces the chances of arteries. In addition, the also plays an important role Blood Pressure Control: helps in controlling blood balances the effect of sodium blood vessels, which reduces extra pressure on the guava can help control high Storehouse of Antioxidants: antioxidants like Vitamin C antioxidants fight free can damage cells and cause heart diseases. Vitamin C also helps in strengthening the walls of the arteries and reducing inflammation. Diabetes Control: Guava has a low glycemic index, due to which it does not cause a sudden increase in blood sugar levels. Diabetes and heart diseases are interconnected, so controlling blood sugar is crucial for heart health. The fiber in guava helps control diabetes by slowing down glucose absorption. Weight loss support: Obesity is one of the major risk factors for heart disease. Guava is low in calories and high in fiber, which helps in weight loss. Eating it makes you feel full for longer, reducing the likelihood of unhealthy snacking. Reducing inflammation: The anti-inflammatory properties of guava help reduce inflammation in the body. Inflammation plays a significant role in heart diseases.



a simple-looking fruit, but extraordinary. Rich in and antioxidants, this fruit heart health (Guava out how this fruit can help Cholesterol Control: The helps in lowering the levels body. This fiber prevents in the digestive system, plaque buildup in the pectin present in guava in cholesterol control. Guava, rich in potassium, pressure. Potassium in the body and relaxes the improves blood flow and heart. Regularly eating blood pressure. A Guava contains powerful and lycopene. These radicals in the body, which



# Tanya Mittal Pays the Price for Body Shaming Ashnoor Kaur, Heated Confrontation on Weekend Ka Vaar

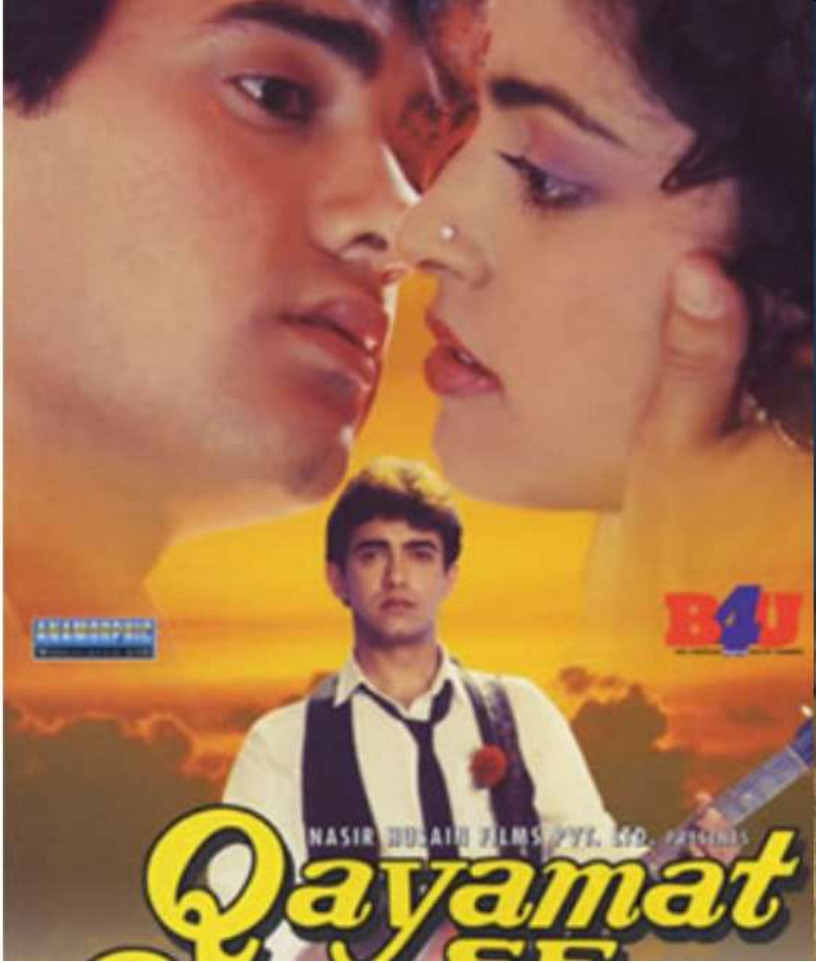
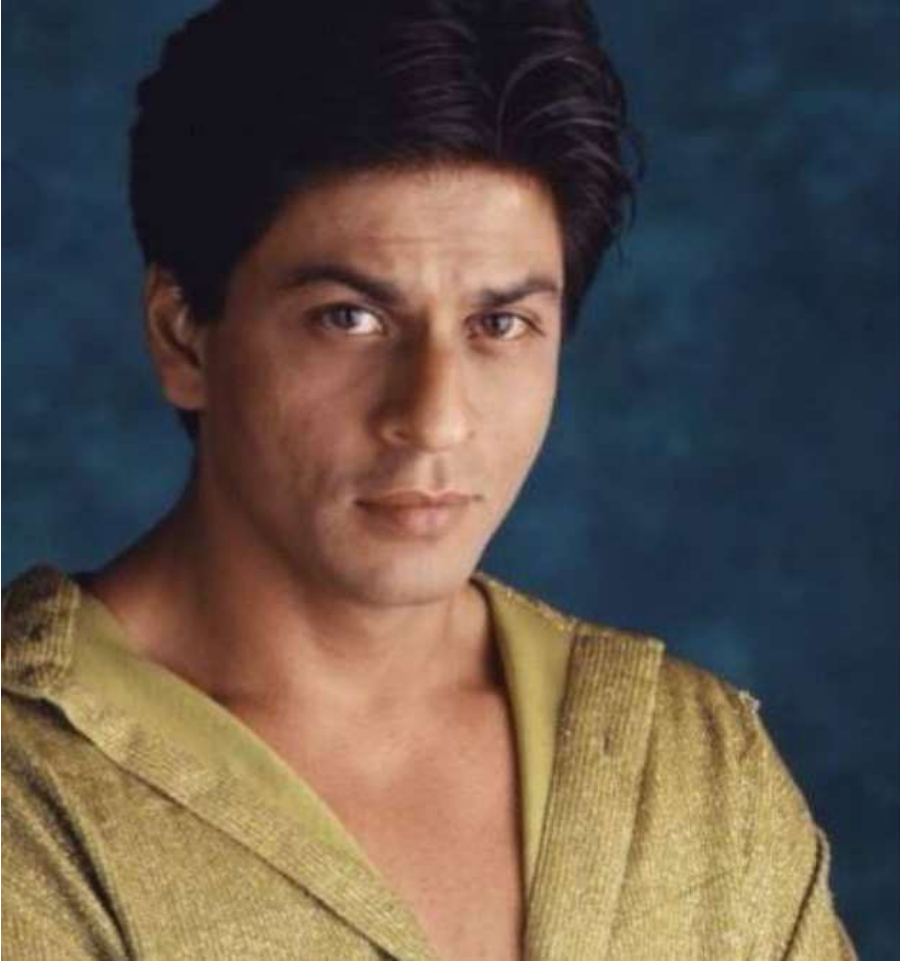
This Weekend Ka Vaar, Salman Khan is going to take several contestants to task. Tanya Mittal, who had been receiving praise for several weeks, body-shamed Ashnoor Kaur on national television, and Salman was not at all said to her on Weekend Ka Vaar. her own medicine; body shaming Weekend Ka Vaar. As Bigg Boss 19 the contestants are being revealed. In major fight with Malti-Mridul and all limits by body-shaming Ashnoor Weekend Ka Vaar to settle the scores Boss house throughout the week. and Neelam to task. However, Tanya Dabangg Khan. Let's see what Salman Weekend Ka Vaar in this video: Salman Hotstar shared a promo of Weekend which Salman Khan first asked Tanya Ashnoor Kaur. Neelam and Tanya, "elephant" for Ashnoor behind her Weekend Ka Vaar, while Neelam called the drama queen Tanya Mittal called gave them an angry reaction. After that, saying, "Neelam, are you very proud now?" And Tanya Mittal, you called balloon-like face... Who gave you the emotional after hearing the body-she heard such things being said about her. Ashnoor was deeply hurt by the nasty remarks about her. She told Tanya, "You should be ashamed." Fans are praising Salman Khan for the way he reprimanded Tanya Mittal. One user wrote, "Thank you, Salman sir, for calling this out." Another user wrote, "Finally, I feel relieved; these two girls are always after Ashnoor." Yet another user wrote, "Tanya is looking at Salman Khan as if she doesn't know who said all this."



pleased. Let's find out what Salman Khan Salman Khan gives Tanya Mittal a taste of Ashnoor Kaur proves costly; chaos erupts on approaches its final stages, the true faces of the past week, while Farhana Bhatt had a Pranit, Tanya Mittal and Neelam Giri crossed Kaur. Host Salman Khan has arrived on for all the drama that unfolded in the Bigg During this, Salman Khan first took Tanya started creating drama right in front of the Khan said while reprimanding her on Khan asks Tanya Mittal this question. Jio Ka Vaar on its official Instagram account, in Mittal and Neelam about their opinion of who had used derogatory terms like back, cleverly changed their statements. On Ashnoor beautiful in front of Salman Khan, her a "princess." Hearing this, Salman Khan Salman Khan first reprimanded Neelam, of your gossiping? Why aren't you speaking her elephant-like, a dinosaur, fat, with a right to say all this? Ashnoor Kaur, who was shaming remarks, became quite upset when

# Shah Rukh Khan got his 'kick' because of Aamir Khan; watching this film ignited his passion for acting.

On the occasion of Shah Rukh Khan's 60th birthday, a celebration of seven of his films from different eras is being held in cinemas across the country and the world. Sharing information about this, Shah Rukh Khan wrote on social media, "The person in this picture hasn't changed much, just the hair... and he's become a little more handsome." This is the journey of a middle-class boy from acting after watching Khan not only delivers to Hindi cinema but also for Best Actor at this admit that King Khan is newcomers like Nikita Shah Rukh Khan their filled with selected film and Delhi's elite, Shah Rukh Khan's Awards ceremony, hasn't changed much. appeared just as vibrant years later, the way he's today, his quick wit and audience are has always chased highest-grossing Hindi is at number one, while from 2023, 'Jawan' and and three respectively. 'Fan', 'Jab Harry Met Khan was considered a appearances in films and 'Laal Singh comeback surprised Hindi cinema and Shah Rukh's fans, but was Shah Rukh himself surprised? Probably not. Given the pinnacle of success Shah Rukh Khan has reached, he shouldn't be surprised. He even says, "I don't need any more fans; half the world's population already knows me." This is another amazing paradox in Shah Rukh Khan's life journey. On one hand, he appears to be at the pinnacle of success, which is obviously the common perception of Shah Rukh Khan – that he has always chased success. But if you look at his films, it becomes difficult to believe this perception. From his early films like 'Maya Memsaab' and 'Oh Darling, Yeh Hai India' to 'Rocketry: The Nambi Effect', Shah Rukh Khan has done dozens of films that certainly couldn't have been made with success in mind. The desire to act was sparked in him after watching an Aamir Khan film. In reality, today, Shah Rukh Khan may appear to be the most 'beloved' figure in the Hindi film industry, but in this perception, we also forget that Shah Rukh Khan is not a nepo kid like Salman Khan. Whatever position he has achieved is through his own talent and hard work. He didn't have anyone to give him advantages or guide him, unlike his son Aryan Khan. It wouldn't be easy even for Shah Rukh to recall when he, coming from an ordinary family in Delhi, started moving towards stardom. He never thought he would become an actor; he played cricket and hockey, but had to give up sports due to injuries. The first film he saw after college, which drew him towards acting, was Aamir Khan and Juhi Chawla's 'Qayamat Se Qayamat Tak'. In an interview, Shah Rukh says, "I didn't think I was as handsome or cool as them, but I still felt, maybe I can do this too." Shah Rukh learned acting from Barry John. Shah Rukh's success cannot be assessed until we see Abhimanyu Rai in the 1988 Doordarshan serial 'Fauji', or the episodes of 'Circus' and 'Dil Dariya'. His small roles in dozens of popular serials of that time, like 'Rajani', give an idea of ??Shah Rukh's beginnings. Lekh Tandon, the director of 'Dil Dariya', says, "When I offered Shah Rukh 'Dil Dariya', I didn't know anything about him, whether he even wanted to act or not. Later I found out he had learned acting from Barry John. I was impressed by his looks. From that day to this day, we can say that Hindi cinema was destined to get Shah Rukh Khan." Yash Chopra was adamant about Shah Rukh. In 1992, he appeared on the big screen in 'Deewana', opposite Rishi Kapoor and Divya Bharti. After that, 'Darr', 'Anjaam', 'Baazigar', the popularity of these films made it seem like Shah Rukh Khan was getting typecast in the role of a deranged lover. But in reality, Shah Rukh knew that the journey is more important than the destination. Amidst these easy successes, his films like 'Raju Ban Gaya Gentleman', 'Kabhi Haan Kabhi Naa', 'Guddu', 'Chamatkar', despite being unsuccessful, were laying the foundation for the romantic hero image in Hindi cinema. It is said that Yash Chopra was adamant that if 'Dilwale Dulhania Le Jayenge' was to be made, it would be with Shah Rukh Khan. How this film gave a new identity to love, family, and culture in Hindi cinema is history. How Shah Rukh Khan became a symbol of romance in Hindi cinema is truly history. But this is Shah Rukh Khan; he never let success become his 'baggage'. It's interesting to recall that earlier that year, his offbeat film with Deepa Sahi, 'O Darling Yeh Hai India', which was a 'black comedy', was released. Shah Rukh doesn't choose films thinking about success. It's true that Shah Rukh also got films like 'Dil To Pagal Hai' and 'Pardes', but Shah Rukh chose 'Kabhi He never shied away from films like 'Yela', 'Army', or 'Trimurti'. He even did 'Gajagamini' after 'Mohabbatein', 'Swades' after 'Devdas', and 'Dear Zindagi' after 'Happy New Year'. In fact, when evaluating Shah Rukh, it's worth repeating that he didn't make films for success; success simply followed his films. This is what sets Shah Rukh Khan apart from his contemporaries. It's no surprise that Shah Rukh enjoys the success he has earned through hard work. An actor spends half his life working to be recognized, and then the other half wearing dark glasses so that no one recognizes him. I don't like that. I like that people know me. I want people to scream when they see me, to bother me while I'm having lunch, to have six bodyguards around me; I like being a star. I find it strange when famous people say they don't want to be photographed. Yes, I don't want to be in front of a camera first thing in the morning, nor do I want anyone peeking into my bedroom, but apart from that, this life is truly fantastic."



Delhi; he decided to pursue this film. When Shah Rukh one blockbuster after another wins the National Film Award stage of his life, one has to right. It's no wonder that even Dutta consider working with only dream. The way the hall, artists from across the country erupted with cheers upon entry during the National Film truly shows that Shah Rukh Even leaving aside the films, he on the Filmfare Awards stage always been known for. Even ability to connect with the astonishing. Shah Rukh Khan success. In IMDb's list of the films, Aamir Khan's 'Dangal' Shah Rukh Khan's two films 'Pathaan', are at number two After the massive failures of Sejal', and 'Zero', Shah Rukh star only for special like 'Brahmastra', 'Tubelight', Chaddha'. This powerful